कृपया प्रकाशनार्थ - **25 सितंबर 2013**

भाजपा नेता व पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री.राम नाईक द्वारा 25 सितंबर 2013 को मुंबई में पत्रकार सम्मेलन में प्रसारित वक्तव्य

राम नाईक लोकसभा चुनाव नहीं लडेंगे

मुंबई, बुधवार: "आनेवाले लोकसभा चुनाव की चर्चा अब देश में प्रारंभ हुई है. इस अवसर पर मैंने अपने राजनैतिक जीवन का सिंहावलोकन किया. पहले भारतीय जनसंघ के लिए और बाद में 1980 से भारतीय जनता पार्टी के लिए हर चुनाव में मैं जी जान से मेहनत करता आया हुँ. स्वयं मैंने पिछले 35 वर्षों में विधानसभा - लोकसभा के दस चुनाव लडे. अब लोकसभा चुनाव न लडने का फैसला मैंने किया है. मेरे प्रदीर्घ अनुभव का लाभ मैं मेरी पार्टी को देता रहुँगा. मेरा जीवन समाज के प्रति समर्पित रहा है, इसिलिए इस व्यक्तिगत निर्णय से मैं समाज को भी अवगत कर रहा हुँ," ऐसी घोषणा भाजपा नेता व पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री राम नाईक ने आज मुंबई में पत्रकार सम्मेलन में की. एकात्म मानववाद के प्रणेता व भारतीय जनसंघ के नेता स्व. पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्री नाईक के प्रेरणास्रोत रहे हैं. इसलिए यह निर्णय पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के सुअवसर पर श्री नाईक ने जाहीर किया.

श्री. राम नाईक ने अपनी 53 वर्षों की राजनैतिक जीवन यात्रा संक्षेप में पत्रकारों को बतायी. हजारों युवकों की तरह श्री. नाईक भी वाणिज्य स्नातक बनने के बाद नौकरी की तलाश में 1954 में मुंबई आए. बचपन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे श्री. नाईक ने यहाँ भी अपना संघ कार्य जारी रखा. उसी के चलते 1960 से वे भारतीय जनसंघ से सक्रिय रुप में जुटे. 1978 में उन्होंने पहली बार विधानसभा का चुनाव लडा. मुंबई में सबसे अधिक वोट पा कर वें बोरीवली से विधायक बने. महाराष्ट्र राज्य की स्थापना के बाद लगातार तीन बार विधायक चुने जाने वाले वें मुंबई के पहले विधायक रहें हैं. बोरीवली-दहिसर के मतदाताओं ने हमेशा श्री. नाईक को अपना माना. उनके जबरदस्त समर्थन के कारण ही श्री. नाईक यह विक्रम बना पाए. बाद में 1989 में पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ कर वें उत्तर मुंबई सें सांसद चुने गये. उत्तर मुंबई के मतदाताओं ने लगातार पाच बार उन्हें जिताया. 1999 में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा याने 5,17,941 वोट पा कर श्री. नाईक जीते. मुंबई ने स.का.पाटील, काम्रेड डांगे, जॉर्ज फर्नांडिस, मनोहर जोशी, मृणाल गोरे जैसे कई दिग्गज नेताओं को लोकसभा में अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना. मात्र अकेले श्री.राम नाईक ही हैं जिन्हे मुंबई से लगातार पाच बार लोकसभा जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. बाद में दो चुनाव हारने के बावजूद भी आज तक उनका यह विक्रम कोई तोड नही सका है. इस सौभाग्य के लिए श्री. राम नाईक ने उत्तर मुंबई के मतदाता, कार्यकर्ता तथा सहयोगीयों के प्रति कृतज्ञता जतायी.

पहली बार विधायक चुने जाने पर याने 1978 से ही श्री. नाईक ने मतदाताओं के प्रति अपनी जवाबदेही निभाने के लिए प्रति वर्ष कार्य-अहवाल देना शुरु किया. ''स्व. रामभाऊ म्हालगी ने शुरु की इस परंपरा का कर्मठता से पालन करने के कारण ही मैं मतदाताओं का विश्वास पा सका'', ऐसा इस समय श्री. नाईक ने कहा. महाराष्ट्र विधानसभा के प्रतिनिधी के नाते अपने कार्यकाल का ब्यौरा देकर अपनी विशेष उपलब्धियाँ बताते हुए श्री. नाईक ने कहा कि बढती लोकसंख्या के कारण निर्माण हो रही समस्याओं को ध्यान में रख कर उन्होंने झोपडपट्टीयों में दो मंजिल के शौचालय, मोबाईल शौचालय, कूपनलिका जैसे अनेक अभिनव प्रयोग किए, जिनकी तब काफी सराहना हुअी. ''आगे चल कर सांसद बनने के बाद कई ऐसे काम कर सका जिसके लिए मैं स्वयं को सौभाग्यशाली समझता हुँ. संसद में 'वंदे मातरम्' गाने की परंपरा प्रारंभ करना,. 'बॉम्बे', 'बम्बई' का 'मुंबई', सांसद निधि की शुरुआत, शिशुआहार के विज्ञापन पर पाबंदी तथा स्तनपान प्रोत्साहन विधेयक, जैसी मेरी कुछ उपलब्धियां ऐतिहासिक मानी जाती है. 1995-96 में मैं संसद के लोकलेखा समिति का अध्यक्ष था जिसे संसदीय सम्मान माना जाता है'', ऐसा श्री. नाईक ने कहा.

..2..

वार्तालाप के समय श्री. अटल बिहारी वाजपेयी के प्रति श्री. राम नाईक ने विशेष कृतज्ञता जतायी. उन्होने कहा,''प्रधानमंत्री श्री. वाजपेयी जी ने 1998 में मंत्री परिषद में मुझे राज्य मंत्री के नाते पांच महत्त्वपूर्ण विभाग सौंपे; जैसे कि रेलवे (स्वतंत्र प्रभार), गृह, योजना, कार्यक्रम कार्यान्वयन व संसदीय कामकाज. इसी कार्यकाल में मुंबई रेलवे विकास प्राधिकरण की स्थापना कर हमने रु.3,450 करोड की परियोजनाएं मंजूर की और दादरा-नगर हवेली मुक्ति संग्राम में सम्मिलितों को स्वतंत्रता सेनानी का बहुमान दिया , जिसका मुझे संतोष है.'' बाद में 1999 में श्री. वाजपेयी जी ने श्री. राम नाईक को पेट्रोलियम जैसे महत्त्वपूर्ण तथा संवेदनशील विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया. 1963 में पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस का स्वतंत्र मंत्रालय बना. तब से आज तक याने 50 वर्षों में पुरे पाच साल इस विभाग के कैबिनेट मंत्री रह चुके एक मात्र मंत्री श्री. नाईक ही है. रसोई गैस के लिए एक करोड दस लाख ग्राहकों की प्रतिक्षा सूची समाप्त कर कुल 3.50 करोड नए ग्राहकों को रसोई गैस कनेक्शन देने का करिश्मा श्री. राम नाईक ने किया. मुंबई में तो उन्हीं की अगुवाई से पाईप गैस सभी जगह फैल गया. कारगिल लडाई के हुतात्माओं के परिवारजनों को गैस एजन्सी तथा पेट्रोल पंपों का आंबटन, भारत के पेट्रोलियम इतिहास में पहली बार इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल की शुरुआत तथा विदेशों में कच्चा तेल व प्राकृतिक गैस खोजने के लिए पूँजी लगा कर वहाँ उत्पादन भी शुरु करने में जो सफलता मिली, उसके लिए श्री. नाईक को विशेष संतोष है.

जनप्रतिनिधी का काम करनेवाले श्री. नाईक ने भारतीय जनसंघ व भारतीय जनता पार्टी में भी अलग-अलग जिम्मेदारीयों का समय-समय पर सफलता से निर्वाहन किया. जनसंघ के पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रुप में वें मुंबई के संगठन मंत्री रहे है. भारतीय जनता पार्टी की स्थापना से कई वर्षों तक वें मुंबई भाजपा के अध्यक्ष रहें. भाजपा की स्थापना से वें केंद्रिय कार्यकारिणी के सदस्य रहे है. वर्तमान में वे भाजपा के सुशासन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक है.

वैसे तो श्री. राम नाईक सभी को राजनीतिज्ञ कर के ही परिचित है. मगर वें समाज के उपेक्षितों के लिए विशेष हमदर्दी से काम करते आए हैं. जब वे विधायक बने तब बोरीवली रेलवे स्थानक के कुलियों तथा कुष्ठपीडितों का संगठन बनाने से लेकर कई संस्थाएं बनाने में उन्होने अगुवाई की. पिछले नौ वर्षों से तारापुर अणु ऊर्जा प्रकल्पपीडितों के पुनर्वास के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में चल रही याचिका में भी श्री नाईक शामिल होकर उनको न्याय दिलाने की कोशिश कर रहे हैं. स्व.डा.शरद्चंद्र गोखले द्वारा स्थापित आंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध, कुष्ठपीडितों के लिए काम करनेवाली आंतरराष्ट्रीय कुष्ठनिवारण संस्था के अब श्री नाईक अध्यक्ष भी है.

"आज तक किए कामों के लिए मेरे मन में संतोष की भावना है. 1994 में कैन्सर का मैं मुकाबला इसिलिए कर पाया कि अपना जीवन समाज के लिए है ऐसी मेरी भावना रही है. अब 80 साल की उम्र में भी न तन थक गया है, न मन! इसिलिए मैं काम तो करता रहूँगा, मात्र इसके आगे लोकसभा चुनाव न लडने का फैसला मैंने किया है. मेरे इस निर्णय का मतदाता, कार्यकर्ता तथा सभी सहयोगी आदर करते हुए मुझे हमेशा साथ देते रहेंगे ऐसा मुझे विश्वास है. मेरी संपूर्ण राजनीतिक जीवन यात्रा में इन सबकी तरह प्रसार माध्यमों ने भी हमेशा साथ दिया. कभी भी 'मैंने ऐसा कहा ही नहीं, यां फिर मेरी बात का बतंगड बनाया गया' ऐसा कहने की नौबत मुझे नहीं आयी. इन सभी के प्रति मेरे मन में जो कृतज्ञता है वह इस अवसर पर मैं व्यक्त करना चाहता हुँ.", ऐसा भी अंत में श्री राम नाईक ने कहा.

(कार्यालय मंत्री)